हरियाणा प्रांतीय तेरापंथ सभा का स्वर्ण जयंती समारोह

नशामुक्त प्रदेश शक्तिशाली होता है - आचार्य महाप्रज्ञ

लाडनूं, 7 जून।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने हरियाणा प्रांतीय तेरापंथ सीाा के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यापक बन रहा है। हजारों इससे बीमार हो रहे हैं। हरियाणा के श्रावाकों को नशा मुक्ति का अभियान चलाना चाहिए। जो प्रदेश नशा मुक्त होता है वह शक्तिशाली होता है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने एक दिन पूर्व ही प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह द्वारा उद्योगपतियों को किये गये संबोधन में संयम की चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का भाषण सुनकर ऐसा लगा कि वे भगवान महावीर की वाणी बोल रहे हैं। भगवान महावीर के द्वारा प्रदत्त संयम एवं सीमाकरण के सूत्र से ही विश्व की समस्याओं का समाधान हो सकता है। उन्होंने हरियाणा वासियों की भक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि भक्ति आवश्यक है। भक्ति के साथ तत्त्वज्ञान का योग हो तो सोने में सुहागा हो जोयेगा।

आचार्य महाप्रज्ञ ने संघ के विकास में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि स्वर्ण जयंती के अवसर पर समाज को नया मोड़ लेना चाहिए। इसमें युवा कार्यकर्त्ता लगे हुए हैं यह विशेष बात है। सभा का काम धर्मसंघ की सारी गतिविधियों का संचालन करना है। इसलिए प्रांतीय सभा शक्तिशाली होनी चाहिए। हरियाणा के कार्यकर्त्ता पचं वर्षीय व्यापक योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अपने अस्तित्व को सुरक्षित रखे। नैतिकता के बिना शक्तिशाली नहीं बना जा सकता। आचार्य महाप्रज्ञ ने हरियाणा को कार्य की दृष्टि से सोने की चिड़िया बनाने की प्रेरणा दी।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि श्रम, ज्ञान और क्रिया का समन्वय होने पर ही परिपूर्ण श्रावकत्व बनता है। 12 व्रतों को आत्मसात कर लेने पर इन तीनों का योग बन जाता है। उन्होंने हरियाणा से बड़ी संख्या में समागत श्रावक समाज को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में शक्ति भी है और भक्ति भी हैं प्रांतीय सीाा को भावी पीढी के संस्कार निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। उपासक श्रेणी के श्रावक तैयार हो ऐसा लक्ष्य रखना चाहिए।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने 37 क्षेत्रों से पहुंचे हरियाणा सभा क कार्यकर्त्ताओं को संकल्प शक्ति पुश्ट करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि संकल्प पुष्ट होता है तभी कार्य अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि जीवन ऊंचा उठाने के लिए भी चिंतन होना चाहिए।

समारोह में हरियाणा प्रांतीय तेरापंथी सभा के द्वारा जगदीश जिंदल की विशिष्ट सेवाओं के लिए श्रीमती लालजवन्ती जैन समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभा के अध्यक्ष रघुवीर जैन, कार्यकारी अध्यक्ष घीसाराम जैन, रक्षक पदमचन्द जैन उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार जैन, प्रो. देवेन्द्र कुमार जैन ने प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं साहित्य के द्वारा श्री जिंदल का सम्मान किया। इसी मौके पर प्रांतीय सभा की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीसागर जैन को लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र जैन ने किया।

'बढ़ते चरण' का विमोचन

आचार्य महाप्रज्ञ ने हरियाणा प्रांतीय सभा के द्वारा तैयार की गई हरियाणा के तेरापंथ इतिहास को समेटे 'बढ़ते चरण' स्वर्ण जयंती स्मारिका का विमोचन किया। स्मारिका की प्रथम प्रति सभा के हरियाणा प्रान्तीय सभा के अध्यक्ष रघुवीर जैन एवं स्मारिका के संपादक नन्दलाल जैन ने आचार्य प्रवर को भेंट की। इसी मौके पर हरियाणा तेरापंथ परिवार निर्देशिका का विमोचन भी किया गया। जिसको सम्पादक एडवोकेट सुरेन्द्र जैन ने भेंट की। देवेन्द्र जैन ने अणुव्रत भावना मासिक पत्रिका का नवीन अंक भेंट किया।

स्वर्गीय ओमप्रकाश जिन्दल को शासन सेवी संबोधन

लाडनूं, 7 जून।

हरियाणा प्रांतीय तेरापंथ सभा के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर आज आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने हरियाणा-पंजाब के श्रावक-श्राविकाओं की सेवाओं का अंकन करते हुए हिसार के स्व. ओमप्रकाश जिन्दल को ''शासन सेवी'' व जगदीश जिन्दल, प्रॉ. देवेन्द्र जैन, भिवानी के डॉ. जे.बी. गुप्ता को ''कल्याण मित्र'' अलंकरण प्रदान किया। इसी श्रृंखला में हरियाणा की मंत्री सावित्री जिन्दल व मण्डी गोबिन्दगढ़ की श्रीमती लक्ष्मी मित्तल को ''श्रद्धा की प्रतिमूर्ति'' संबोधन प्रदान किया।

श्रद्धानिष्ठ श्रावक में उलकलाना के श्री रघुबीर जैन, आदमपुरमण्डी के श्री घीसाराम जैन, कालांवाली के श्री लालमण जैन, सिरसा के श्री हनुमानमल गुजरानी, उकलाना के नेमचन्द जैन, कापड़ो के स्व. प्यारेलाल जैन, स्व. शिवचन्दराम जैन, उचाना मण्डी के स्व. बनवारीलाल जैन, स्व. मास्टर प्रकाशचन्द जैन, हिसार के स्व. देवराज जैन की सेवाओं का अंकन कर संबोधन प्रदान किया गया।